

## **Grandparents Day Celebration - Vatsalyam 2022 @ SBPS**

Grandparents and grandchildren share a special bond that is cherished by both. It motivates grandparents to live longer and also teaches children to be emotionally resilient. It has been a tradition at Sarala Birla Public School to celebrate Grandparent's Day as it gives us an opportunity to treasure and cherish that bond. The students of Std II celebrated the Grandparents Day 'Vatsalyam' 2022 on 30<sup>th</sup> July 2022 with great verve and enthusiasm. The event beheld the gracious presence of the chief guest Mr. Siddharth Tripathi, Chief Conservator of Forests, Ranchi, Padmashree Shri Mukund Nayak Ji, a preserver and exponent of traditional folk art. The ceremony commenced with the lighting of the ceremonial lamp by all the eminent guests and dignitaries followed by the welcome song. It was a mellifluous performance which set the mood for the occasion. After this, a scintillating dance performance was presented by the students of Std II F on the theme 'There is a hero in everyone'. Students of Std. II D gave a mesmerizing performance in 'Vishnu Stotram' wherein the students presented a programme to depict various forms of Lord Vishnu. It was an incredible moment for the grandparents to witness the synchronization of talent and tradition of their grandchildren. Students of Std II C came up with an enthralling dance performance on the theme 'Sharing is Caring'. The school's annual report was presented by the Head boy followed by 'Chandalika'; a live dance drama written by Rabindranath Tagore to eradicate untouchability, by the budding artists of Std. II A. The little performers of Std. II E came up with a graceful performance on the theme 'Family bond', enacting the important relationships we share with the members of the family. The dynamic performers of Std. II B presented their exhilarating dance drama on 'Live for a Cause' portraying the Padma Shree recipients of our state, Jharkhand. Grandparents Day was a memorable one for the grandparents, who left the school with pleasant memories, loads of appreciation and heaps of blessings.

The Chief Guest Mr. Siddharth Tripathi appreciated the presence of grandparents in the school premises. The commencement of the programme with Saraswati Vandana was like a soothing balm. Such events connect us to our roots. He also added that our lives should not be evaluated on the basis of marks obtained and pay packages but on the moral values inculcated in us from our childhood. In today's time when old age homes are flooding the country it is really praiseworthy that the school has arranged special programmes for grandparents.

Guest of Honour, Padmashree Mukund Nayak ji appreciated the efforts of the school for arranging a programme specially for grandparents. He added that, earlier people who lived in villages led a simple and happy life but in recent times

people have got caught up in the rat race for name, fame and money, losing all the valuable relationships on their way to success. Through his popular folk songs, he reminded us that we should never forget our culture and traditions, stay connected to our roots and become responsible citizens of tomorrow.

The School Head Personnel and Admin, Dr. Pradip Varma appreciated the effort of School fraternity and congratulated the entire team for the grand success of the programme.

Principal Mrs. Paramjit Kaur expressed her heartfelt gratitude to all the guests and parents for reposing their faith and always extending their co-operation to the school. She also added that we need to work together to make the children global citizens breaking the shackles of 'narrow domestic walls' and attaining 'freedom from fear'. She concluded by saying that 'Vasudhaiv Kutumbakam', as our scriptures propound should be our motto.

### सरला बिरला पब्लिक स्कूल में 'वात्सल्यम' 2022

दादा-दादी और नाना-नानी का अपने पोते-पोतियों के साथ एक विशेष जुड़ाव होता है, जो उन्हें लंबी उम्र तथा खुशियाँ प्रदान करता है साथ ही बच्चों को संवेदनशील बनाता है। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में ग्रैंड पैरेंट्स डे विशेष रूप से मनाने की परंपरा सालों से चली आ रही है जो हमारी पारिवारिक एकजुटता को संजोए रखने के लिए प्रेरित करती है। 30 जुलाई को ग्रैंड पैरेंट्स डे 'वात्सल्यम-2022' का आयोजन विद्यालय के प्रेक्षागृह में किया गया। कक्षा द्वितीय के बच्चों ने अत्यंत उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में अपनी कलात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री सिद्धार्थ त्रिपाठी, चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट, रांची, पद्मश्री श्री मुकुंद नायक जी, पारंपरिक लोक कला के संरक्षक और प्रतिपादक एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। बच्चों ने गणमान्य अतिथियों का स्वागत समूह गान के द्वारा किया।

कक्षा II एफ के बच्चों ने 'देयर इज अ हीरो इन एवरीवन' की थीम पर अत्यंत मनोहर नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। कक्षा II डी के बच्चों ने "विष्णुस्तोत्रम" कार्यक्रम के माध्यम से भगवान विष्णु के विभिन्न रूपों को दर्शाते हुए सुंदर प्रस्तुति दी। कक्षा II सी के बच्चों ने 'शेयरिंग इज़ केयरिंग' थीम पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विद्यालय के हेड ब्वाय ने 'स्कूल एनुवल रिपोर्ट' प्रस्तुत किया। रवींद्र नाथ टैगोर की विख्यात कृति 'चाण्डालिका' पर कक्षा II ए के बच्चों ने अविस्मरणीय नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया। कक्षा II ई के छोटे छोटे बच्चों ने 'फेमिली बॉन्ड' थीम पर आधारित

कार्यक्रम में जीवन के विभिन्न रंगों को बहुत गरिमापूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। कक्षा II बी के बच्चों ने 'लिव फॉर अ कॉज' कार्यक्रम में जीवंत नृत्य-नाटक प्रस्तुत किया जो झारखंड राज्य के पद्मश्री विजेताओं को समर्पित था। वात्सल्यम-2022 ग्रैंड पैरेंट्स के लिए एक यादगार दिन था, जहां से वे ढेर सारी उन्हें सुखद यादों के साथ विदा हुए। उन्होंने बच्चों की प्रशंसा की और आशीर्वाद दिया।

मुख्य अतिथि श्री सिद्धार्थ त्रिपाठी ने कहा कि ग्रैंड पैरेंट्स का इतनी बड़ी संख्या में आना गौरव की बात है। जीवन की सफलता का आधार अंक और पैकेज नहीं जीवन मूल्य होना चाहिए। उन्होंने स्वामी विवेकानंद की बातों को उद्धृत किया और कहा कि जो शिक्षा आपको संस्कार नहीं देती वह किसी काम की नहीं। उन्होंने कहा कि सरला बिरला पब्लिक स्कूल में सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत होना सुकून देता है। 'वात्सल्यम' जैसे कार्यक्रम हमें हमारी जड़ों से जोड़ने का काम कर रहे हैं। आज जब ओल्ड एज होम की बाढ़ सी आ गई है। सरला बिरला स्कूल का ग्रैंड पैरेंट्स के लिए कार्यक्रम आयोजित करना प्रशंसनीय है। सुभाषचंद्र बोस का उदाहरण देकर उनकी आत्मकथा को पढ़ने एवं देश के वास्तविक नायकों को जानने का प्रयास करने तथा देश का जिम्मेदार नागरिक बनने की बात कही।

विशिष्ट अतिथि पद्मश्री मुकुंद नायक ने कहा कि विद्यालय द्वारा ग्रैंड पैरेंट्स के लिए कार्यक्रम आयोजित करना बहुत अच्छी कोशिश है। उन्होंने कहा कि पहले गांवों के जो लोग थे वे सरल जीवन जीते थे, खुश रहते थे पर आज महानगरों के लोगों में सुकून नहीं है, बस भागमभाग है। अतः हमें रिश्तों को टूटने से बचाना चाहिए। उन्होंने अपने लोकप्रिय गीतों के माध्यम से बताया कि हमें आज अपने पूर्वजों की रीतियों, उनकी अच्छी परंपराओं को नहीं भूलना चाहिए।

विद्यालय के कार्मिक व प्रशासनिक प्रमुख डॉ. प्रदीप वर्मा ने विद्यालय परिवार के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए ग्रैंड पैरेंट्स डे की सफलता की बधाई दी।

प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने सभी अतिथियों और अभिभावकों के प्रति अपना विश्वास व्यक्त करने और स्कूल को हमेशा अपना सहयोग देने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि हमें बच्चों को संकीर्ण विचारों एवं भय से बाहर निकालकर वैश्विक नागरिक बनाने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' हमारा आदर्श वाक्य होना चाहिए।









